पदानुशीलनी

प्रथमः पाठः

शम्	(अ.)	कल्याणम्, सुखम्; कल्याण, सुख, समृद्धिः; Happiness, Welfare, Prosperity.
नः	(स.)	[अस्मद् चतु.ब.व.], अस्मभ्यम् ; हमारे लिये; for us.
उरुचक्षा	(वि.)	अतिप्रकाशवान्; तेजोमय; radiant.
उदेतु	(क्रि.)	[उत् इ लोट् प्र. पु. ए. व.] उदयतु ; उदय होवे ; may rise.
चतस्रः	(वि.)	[चतुर् स्त्री. प्रथमा बहु. व.] चतस्रः दिशाः ; चारों दिशाएँ; all the four directions.
ध्रुवयः	(वि)	[वैदिकप्रयोगः] दृढाः, दृढतया स्थिताः ; मजबूत, स्थिर ; strong.
सिन्धवः	(सं)	[सिन्धु पु. प्र. ब. व.] सरितः, सागराः ; नदियाँ, सागर; rivers, oceans.
उ	(अव्य.)	अथ, च; और; and.
आपः	(सं)	[अपस् स्त्री. प्र. ब. व.] वहन्ति जलानि, बहते हुए पानी; flowing waters.
सन्तु	(क्रि.)	[अस् लोट् प्र. पु. ब. व.] भवन्तु; होवें; may be.
चक्षुषा	(सं)	[चक्षुष्, तृ., ए. व.] नेत्रेण; दृष्ट्या; आंख से; दृष्टि से; with friendly eye.
भूतानि	(सं)	[भूत, नपुं, प्र., ब. व.] प्राणिनः ; प्राणियों को, जीवों को ; living beings.
समीक्षन्ताम्	(क्रि.)	[सम् ईक्ष्, लोट्, प्र. पु. , ब. व.] पश्यन्तु ; देखें,; should look.
समीक्षे	(क्रि.)	[सम् ईक्ष्, लट्, उ. पु. , ए. व.,] पश्यामि, देखूं ; (I should) look at.
अमित्रात्	(सं)	[अमित्र, नपुं. , पं. , ए. व.] शत्रोः ; शत्रु से; from the enemy.
ज्ञातात्	(वि.)	[ज्ञा, क्त, पुं, पं, ए. व.] परिचितात्; जान पहचान वाले से; from the known.
नक्तम्	(अव्य.)	रात्रौ; रात में; at night.
दिवा	(अव्य.)	दिनसमये, दिन में; during day time.
आशाः	(सं)	[आशा, स्त्री. प्र. ब. व] दिशः ; दिशाएँ; all the directions.
ईशा	(सं)	[ईट् (शासने) तृ., ए. व.] सृष्टेः नियामकेन; संसार के नियन्ता के द्वारा; by the master of the universe.

वास्यम्	(वि.)	[वस् आच्छादने, ण्यत्, नपुं, प्र., ए. व.] व्याप्तम्; व्याप्त; enveloped.
जगत्याम्	(सं)	[जगती, स्त्री., स., ए. व.] संसारे; संसार में; in this world.
भुञ्जीथाः	(क्रि.)	[भुज्, विधिलि., म पु., ए. व.] उपभोगं कुरु; उपभोग करो; consume, enjoy.
मा	(सर्व.)	[अस्मद्, द्वि., ए. व.] माम्; मुझ को; to me.
गृधः	(क्रि.)	[गृध्, लुङ्, म. पु., ए. व.] लोभं कुरु; लालच करो; be greedy.

द्वितीयः पाठः

अरुक्	(वि.)	[नास्ति रुक् यस्य सः, ब. व्री.] नीरोगः, स्वस्थः; नीरोग, स्वस्थ; healthy, one who is not sick.
हितभुक्	(वि.)	[हितं भुङ्क्ते, उप. त. पु., प्र. वि. ए. व.] यः हितकरं पदार्थं भक्षयति; हितकर खाद्य वस्तु खाने वाला; one who eats nourishing food.
मितभुक्	(वि.)	[मितं भुङ्क्ते उप. त. पु., प्र. वि. ए. व.]यः मितं, मात्रानुसारं वा खादति;सीमित मात्रा में भोजन खाने वाला; one who eats food in limited quantity.
ऋतुभुक्	(वि.)	[ऋत्वनुसारं भुङ्क्ते, उप. त. पु. प्र. वि. ए. व.] यः ऋत्वनुकूलं पथ्यं भोजनं भक्षयति; ऋतु के अनुसार उपयुक्त भोजन सेवन करने वाला; one who eats food which is appropriate as per season.
प्रयुञ्जीत	(क्रि.)	[प्रयुज्, वि. लि., प्र. पु. ए. व.] प्रयोगं कुर्यात्, खादेत्; प्रयोग करे, सेवन करे; should take, should eat.
अनुवर्तते	(क्रि.)	[अनु/वृत्, लट् प्र. पु. ए. व.] अनुसरति, पालयति, अनुसरण करता है, पालन करता है; follows.
अजातानाम्	(क्रि.)	[न जातानाम्; नञ् त. पु. ष. ब. व.] न उत्पन्नानाम्, जो पैदा नहीं हुए, उनका, of those that are not born.
अनुत्पत्तिकरम्	(वि.)	[न उत्पत्तिकरम्, नञ् त. पु. प्र. वि., ए. व.] यत् विकारान् न उत्पादयति; जो विकारों को उत्पन्न न करे; that which may not cause (health hazards).
बहुफलम्	(वि.)	[बहूनि फलानि यस्मिन् तत् ब. व्री. नपुं. प्र. ए. व.] बहुभिः फलैः युक्तम्; बहुत फलों वाला; abounding in fruits.
बुभुक्षा	(सं.)	[भुज् सन् आ. स्त्री. प्र. ए. व.] भोक्तुम् इच्छा; खाने की इच्छा, भूख; appetite, desire to eat.
अतिमात्रम्	(क्रि.वि.)	[मात्रायाः अत्ययः, अ.] मात्रायाः आधिक्यम्; उचित मात्रा से अधिक;

		in excessive quantity.
लघुता	(सं)	[लघु तल् स्त्री. प्र. ए. व.] शीघ्रपचनयोग्यता, सुपाच्यता; खाद्य पदार्थ का हल्कापन; lightness of food; digestibility.
उद्दिष्टम्	(वि.)	[उत् दिश् क्त नपुं प्र. ए. व.] निर्दिष्टम्; बताया गया है; has been told/described.
गरिष्ठम्	(वि.)	[गुरु इष्ठन् नपुं प्र. ए. व.] यत् कठिनतया पच्यते तत् (भोजनम्); जो कठिनता से पचे, भारी; heavy, difficult to digest.
वर्णकान्तिजनकम्	(वि.)	[वर्णस्य कान्तेः जनकम् ष. त. पु. नपु. प्र. ए. व.] वर्णस्य सौन्दर्यस्य उत्पादकम्; रूप रंग निखारने वाला; that which enhances the beauty and complexion.

तृतीयः पाठः

संभोजनम्	(सं)	[सम् भुज् ल्युट् नपुं, प्र. ए. व.] सहभोजनम्; संगत में जीमना; प्रीतिभोज; eating together; a common meal or feast.
संकथनम्	(सं)	[सम् कथ् ल्युट्, नपुं, प्र. ए. व.] परस्परं प्रेम्णा कथोपकथनम्; किसी विषय पर बिना विरोध के चर्चा ; amicable conversation.
ज्ञातिभिः	(सं)	[ज्ञा क्तिन् स्त्री., तृ. ब. व.] परिजनैः सम्बन्धिभिः; रिश्तेदारों से; with relatives.
तुष्टः	(वि.)	[तुष् क्त, पुं, प्र., ए. व.] प्रसन्नः सन्तोषयुक्तः; happy; satisfied.
रुष्टः	(वि.)	[रुष् क्त पुं, प्र. ए. व.] क्षुब्धः; नाराज़; angry; annoyed.
अव्यवस्थितचित्तानाम्	(वि.)	[न व्यवस्थितं चित्तं येषां (ब. व्री) ; वि अव स्था क्त पुं, ष., ब., व.] अस्थिरमनसाम्; जिन का मन स्थिर नहीं है उनका; of the persons with unsteady mind.
प्रसादः	(सं)	[प्र सद् घञ् पुं, प्र., ए., व.] अनुग्रहः; प्रसन्नता; कृपा; favour.
तोयम्	(सं)	[नपुं, प्र. ए. व.] जलम्; पानी ; water.
पक्ष्मणी	(सं)	[पक्ष्मन्, नपुं, प्र. द्वि. व.] नेत्रयोः पक्ष्मणी; आंखो की पलकें; eye lashes.
कृतधियः	(वि.)	[कृता (परिनिष्ठिता) धीः येषां ते, (ब. व्रीः)] बुद्धिमान्; दृढनिश्चयवाले; wise, of firm resolve.
निराकुलाः	(क्रि.)	[न आकुलाः ; पुं प्र. ब. व.] अनुद्विग्नाः, अखिन्नाः; शान्तचित्त, व्याकुल न होने वाले unagitated.
उपाश्रयति	(क्रि.)	[उप, आ श्रि, लट् प्र. पु. ए. व.] उपगच्छति, ज्ञानाय विदुषां सम्पर्कं करोति; ज्ञान के लिए विद्वानों के पास जाता है; goes to wise people for learning.
दिवाकरः	(सं)	[दिवा, कृ, अच् पुं प्र. ए. व.] सूर्यः, सूर्य,; sun.

चतुर्थः पाठः

यशोधनानाम्	(वि०)	[यशः एव धनं येषां तेषाम्, (ब. व्री) पुं, ष. ब. व.] कीर्तिविभवानाम्; जो यश को सबसे बड़ा धन मानते हैं; Those who consider fame as the greatest wealth.
गरीयः	(वि०)	[गुरु, ईयस्, नपुं, प्र., ए. व.] सर्वोत्कृष्टम्; सब से उत्तम; sublime.
अनुगच्छन्	(वि०)	[अनु, गम्, शतृ, पुं. प्र. ए. व.] अनुसरन्; पीछे जाता हुआ; following.
कलकलनिनादिनी	(वि०)	[कलकल नि, नद्, घञ्, इन्, स्त्री, प्र., ए. व.] कलकलं (मधुरं) शब्दं कुर्वती; कलकल का मधुर शब्द करती हुई; making sweet sound of Kalkal.
पुरतः	(अव्य०)	अग्रे, समक्षम्; आगे, सामने; in front of.
हिमाच्छन्नः	(वि०)	[हिमेन आच्छन्नः, (तृ. त.) आ छद् क्त, पुं, प्र. ए. व.] हिमेन आच्छादितः; बर्फ से ढका हुआ; covered with snow.
गिरिराजः	(वि०)	[गिरीणां राजा, (ष. त.) प्र., ए. व.] पर्वतानां राजा (हिमालयः); हिमालय पर्वत ; King of mountains.
समृद्धाः	(वि०)	[सम्, ऋध्, क्त, प्र., ब. व.] परिपूर्णाः; भरे हुए; abounding in, Enriched.
सिंहगर्जना	(सं)	[सिंहस्य गर्जना, (ष.त.) स्त्री., प्र. ए. व.] सिंहस्य गर्जनम्; शेर की दहाड़; roar of the lion.
आक्रान्ता	(वि०)	[आ, क्रम्, क्त, टाप्, प्र., ए. व.] आक्रमणं कृता, प्रहृता; जिस पर आक्रमण किया गया है; one who has been attacked.
उद्यम्य	(अव्य.)	[उत्, यम्, ल्यप्] उत्थाप्य; उठाकर; having lifted up.
दुरात्मन्	(वि.)	[दुष्टः आत्मा यस्य सः (ब. व्री.) सम्बो., ए. व.] दुष्टः; दुष्ट; vile, wicked.
परित्राणम्	(सं)	[परि, त्रा, ल्युट्, प्र., ए. व.] रक्षणम्; रक्षा ; protection.
कुलव्रतम्	(सं)	[कुलस्य व्रतम्, ष.त. प्र., ए. व.] कुलस्य प्रतिज्ञा; कुल की प्रतिज्ञा; vow of the dynesty.
निषङ्गात्	(सं)	[निषङ्ग पुं, पञ्चमी, ए.व.] तूणीरात्; तरकस से; from the quiver.
निष्कासयितुम्	(अव्य०)	[निस्, कस्, णिच्, तुमुन्] उद्धर्तुम्; निकालने के लिए; to take out.
सक्तः	(वि०)	[सञ्ज्, क्त, पुं, प्र. ए. व.] लग्नः; चिपका हुआ; Stuck.
मोचयितुम्	(अव्य०)	[मुच्, णिच्, तुमुन्] मुक्तं कारयितुम्; छुड़ाने के लिए; to get rid of.
प्रतिरुद्धा	(वि०)	[प्रति, रुध्, क्त, टाप्, प्र. ए. व.] प्रतिहता; रोक दी गई; has been obstructed, has been held up.
उन्मूलयितुम्	(अव्य०)	[उत्, मूल, ना. धा. तुमुन्] मूलात् उत्पाटयितुम्; जड़ से उखाड़ने के लिए; to uproot.

आततायी	(वि.)	[आततायिन् पु. प्र. वि. ए. व.] अत्याचारी, अत्याचार करने वाला; one who torchers, cruel.
पारणायै	(सं)	[पारणा, स्त्री. चतु. ए. व.] व्रतान्ते क्रियमाणाय भोजनाय; व्रत तोड़ने के लिये किये जाने वाले भोजन के लिये; food for breaking the fast.
अनिष्टम्	(वि.)	[न इष्टम्, नञ् त. पु. इष्, क्त, नपुं, द्वि. ए. व.] अहितम्, हानिम्; नुकसान को, क्षति को ; harm.
रुद्रौजसा	(सं)	[रुद्रस्य ओजसा ष.त.पु; ओजस्, पुं, तृ. ए. व.] महादेवस्य तेजसा; महादेव की शक्ति से; with the power of Lord Shiva.
तोषयितुम् अर्हति	(छ॰)	[तुष्, णिच्, तुमुन्] सन्तुष्टं कर्तुम् समर्थः ; प्रसन्न करने के लिये समर्थ हो;, (can) satisfy.
(क्षुधां) शमय	(क्रि.)	[शम्, णिच्, लोट् म. पु. ए. व.] क्षुधां शान्तां कुरु, भूख मिटाओ; satisfy (your) hunger.
एकातपत्रम्	(वि.)	[एकम् आतपत्रं यस्मिन् तत्; ब. व्री. नपुं. प्र. ए. व.] एकच्छत्रम्; एकछत्र, चक्रवर्त्ती (साम्राज्य) ; sovereignty.
प्रभुत्वम्	(सं.)	[प्रभु, त्व, नपुं, प्र. ए. व.] स्वामित्वम्; अधिकार; authority.
वयः	(सं)	[वयस्, नपुं. प्र. ए. व.] आयुः, उम्र, ; age.
हातुम्	(अ.)	[हा, तुमुन्] त्यक्तुम्; छोड़ने के लिये, for giving up.
विचारमूढः	(वि.)	[विचारे मूढः, सप्त. तत्पु. ए. व.] विवेकहीनः ; मूर्ख; stupid.
परिहाय	(अ.)	[परि, हा, ल्यप्] त्यक्त्वा, ; छोड़कर, ; leaving it aside.
अहिंस्यः	(वि.)	[न हिंस्यः, नञ् तत्पुः, हिंस् यत् पु. ए. व.] न मारणीयः, न मारने योग्य; one, not to be killed.
यशः शरीरे	(सं.)	[यशः एव शरीरं, तस्मिन्, नपुं, स. ए. व.] यशःकाये, यशसि; यश रूपी शरीर पर; on my embodied fame.
एकान्तविध्वंसिषु	(वि.)	[एकान्तं विध्वंस्, इन्, नपुं, स. ब. व.] निश्चितविनाशवत्सु; निश्चित रूप से नष्ट होने वाले; bound to be destroyed.
पिण्डेषु	(सं)	[पिण्ड, स. ब. व.] शरीरेषु, देहेषु, ; शरीरों में, ; on the bodies.
भौतिकेषु	(वि.)	[भूत, ठक्, नपुं, स. ब. व.] भौतिकशरीरेषु, पञ्चभूतैः निर्मितैः शरीरेषु, ; पंच महाभूत से निर्मित शरीरों में, ; on the physical bodies made of five elements.
अनास्था	(सं)	[न आस्था, नञ् तत्पु. स्त्री. प्र. ए. व.] अश्रद्धा, अरुचिः ; अविश्वास, ; faithlessness.
आत्मकृत्यम्	(सं)	[आत्मनः कृत्यम् ष. तत्पु. द्वि. ए. व.] आत्मनः कार्यम्, अपना कार्य, ; own duty.

सम्पादय	(क्रि.)	[सम्, पद्, णिच्, लोट्, म. पु. ए. व.] सम्पन्नं कुरु; पूरा करो; fulfill (your duty).
मायासिंहः	(सं)	[मायया प्रकटीकृतः सिंहः पु. प्र. ए. व.] मायारूपीसिंहः; मायावी सिंह, ; appearing as lion.
परीक्षितुम्	(अ.)	[परि, ईक्ष्, तुमुन्] परीक्षां कर्तुम्; परखने के लिये; for testing.
पटाक्षेपः	(सं)	[पटस्य आक्षेपः, ष. तत्पु. प्र. ए. व.] यवनिकायाः पतनम्; परदे का गिरना; fall of the curtain.

पञ्चमः पाठः

विकसितम्	(वि.)	[वि, कस्, क्त, नपुं, द्वि. ए. व.] प्रफुल्लम्; खिला हुआ; Blooming.
उद्यतम्	(वि.)	[उत्, यम्, क्त, नपुं, द्वि. ए. व.] उन्नतम्; ऊँचा; high.
प्रबुद्धम्	(वि.)	[प्र, बुध्, क्त, नपुं, द्वि. ए. व.] जागरितम्; जागरूक; awakened.
आन्तरम्	(वि.)	[नपुं, द्वि, ए. व.] हृदयम्; अन्तर्वर्तिनम्; हृदय को; to heart.
निखिलसङ्गे	(सं)	[निखिलानां सङ्गे, (ष. त.) पुं, ए. व.] सर्वेषां सङ्गे; सबके साथ; in every one's company.
छन्दः	(सं)	[छन्दस्, नपुं, प्र. ए. व.] गीत; music.
निष्पन्दितम्	(वि.)	[नि, स्पन्द्, क्त, नपुं, द्वि, ए. व.] गतिहीनम्; स्थिर; stable, motionless.
नन्दितम्	(वि.)	[नन्द्, क्त, नपुं, द्वि, ए. व.] हृष्टम्; प्रसन्न; delighted.

षष्ठः पाठः

अयापयत्	(क्रि.)	[या, णिच्, लङ्, प्र. पु. ए. व.] यापितवान्, व्यतीतम् अकरोत्; बिताया; led.
आविरभूत्	(क्रि.)	[आविः, भू, लुङ्, प्र. पु. ए. व.] प्रकटितः अभवत्; प्रकट हुए; appeared.
पालयतः	(वि.)	[पाल्, शतृ, ष. ए. व.] पालनं कुर्वतः, पालन करते हुए (उसके), of the one observing.
तपः	(सं)	[तपस् द्वि. ए. व.] तपस्याम्; तपस्या को; penance.
कैवल्यज्ञानम्	(सं)	[कैवल्यस्य ज्ञानम् ष. त. पु. द्वि. ए. व.] मोक्षस्य ज्ञानम्; मोक्ष के ज्ञान को; salvation.

अरिहन्ता	(सं)	[अरीणां हन्ता ष. तत्पु., पुं. प्र. ए. व.] विषयवासनादिशत्रूणां हन्ता जीवन्मुक्तः; सांसारिक विषयवासनाओं से दूर; free from the attachment of worldly object.
अपातयत्	(क्रि.)	[पत्, णिच्, लङ्, प्र. पु. ए. व.] पातितवती, क्षिप्तवती; डाल दिया; threw.
वयसि	(सं.)	[वयस् स. ए. व.] आयुषि; उम्र में, ; in the (young) age.
आर्यिका	(वि.)	[आर्यक, टाप्, स्त्री. प्र. ए. व.] आदरणीया गणनेत्री, ; आदरणीय गणनेत्री, ; honourable leader of a group. आर्य - कर्तव्यमाचरन् कार्यमकर्तव्यमनाचरन्, तिष्ठति प्रकृताचारे स वा आर्य इति स्मृतः ।। (आप्टे) कर्तव्य का आचरण करने वाला, अकरणीय कार्यों को न करने वाला जो व्यक्ति सदाचार में स्थित रहता है उसे आर्य कहते हैं ; one who does the right deeds, shuns the deeds not worthy of being performed, has fixed way of good conduct, is called an Arya.
षट्त्रिंशत्सहस्राणाम्	(वि.)	षट् च त्रिंशत् च, सहस्रंच, तेषाम्] 36,000 आर्यिकाओं की; of a group of thirty six thousand noble ladies known as Aryikas.
सम्यक् दर्शनम्	(सं.)	सम्यक् दृष्टिः, हिताहितविवेकः; भले बुरे, सत्य असत्य की पहचान, ; capability to distinguish between good and bad, truth and falsehood.
गर्हणीयः	(क्रि.)	[गर्ह्, अनीयर्, पु. प्र. ए. व.] निन्दनीयः ; निन्दा के योग्य; fit to be blamed.
दुःखदाः	(वि.)	[दुःखं ददाति इति उप. तत्पु. पु. प्र. ब. व.] दुःखदायकाः, दुःखदायी, ; painful.
अद्यतावत्	(अ.)	अद्यपर्यन्तम्; आज तक; till date.
दावानलः	(सं.)	वनस्य अग्निः; जंगल की आग; fire of the forests, conflagration.
दाहः	(सं.)	ज्वलनम्; जलन, गर्मी, तपिश, ; heat.
नीरम्	(सं.)	जलम्; पानी; water.
सम्मोहः	(सं.)	[सम्, मुह्, घञ्, पुं.] अज्ञानम्, मतिविभ्रमः ; सम्मोह, माया-मोह से उत्पन्न मूर्च्छा; delusion caused by attachment to objects of senses.
रसा	(सं.)	पृथ्वी; भूमि ; earth.
दारणम्	(सं.)	विदारणम्, फाड़ना ; to tear up.
सारसीरम्	(सं.)	दृढं हलम् ; मजबूत हल ; strong plough.
गिरिसारधीरम्	(वि.)	[गिरेः सारवत् धीरम्] यस्य धैर्यम् पर्वतस्य दृढतानुरूपम् अस्ति; पर्वत के समान अचल धैर्यवान्; firm in patience as a strong mountain.

सप्तमः पाठः

किल	(अ.)	निश्चयेन; निश्चयपूर्वक; indeed, certainly.
गीतकानि	(सं.)	[गीत, कन्, नपुं. प्र. ब. व.] गीतानि, स्तोत्राणि, स्तुतिपरकानि गीतानि; गीत, स्तुति; hymns of praise.
स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते	(वि.)	[स्वर्गस्य अपवर्गस्य च आस्पदम् तस्य च मार्गभूतम् साधनरूपम् तस्मिन्; स्वर्गमोक्षप्राप्तिसाधनरूपे; स्वर्ग और मोक्ष की प्राप्ति में साधन रूप; (भारत में), (on the land of Bharat) which is a path leading to heaven and salvation.
भूयः	(अ.)	पुनः, फिर, दुबारा; again.
विशदीकरोति	(क्रि.)	[विशद, च्वि, कृ, लट् प्र. पु. ए. व.] स्पष्टं करोति; प्रकाशितं करोति; प्रकाशित करती है; clarifies, brightens, enlightens.
प्रखरीकरोति	(क्रि.)	[प्रखर, च्वि, कृ, लट्, प्र. पु. ए. व.] प्रखरां करोति, तीव्रां करोति; तेज करती है, पैनी करती है; sharpens.
आदधाति	(क्रि.)	[आ, धा, लट्, प्र. पु. ए. व.] स्थापयति; स्थापित करती है; provides.
आरोग्यम्	(सं.)	स्वास्थ्यम्; स्वास्थ्य; health.
सूपचारैः	(सं.)	[सुष्ठु उपचारैः, पुं. तृ. ब. व.] उत्तमचिकित्साप्रयोगैः, अच्छे इलाज से; with the help of good treatment.
सुसाध्यम्	(वि.)	[सुष्ठु साध्यम्] सुसाध्यम्; सम्यक् साधयितुम् शक्यम्; ठीक करने योग्य; curable.
पद्माकरम्	(सं.)	[पद्मानाम् आकरः तम् ष. तत्पु. द्वि. ए. व.] कमलानां समूहम्, कमलों के समूह को; a cluster of lotuses.
कैरवचक्रवालम्	(सं.)	[कैरवाणां चक्रवालः तम्, ष. तत्पु. द्वि. ए. व.] कुमुदानां समूहम्; सफेद कमलों के समूह को; a cluster of white lilies.
नाभ्यर्थितः	(वि.)	[न अभि अर्थ् क्त, पुं. प्र. ए. व.] अयाचितः; न मांगने पर भी; without being asked for.
कृताभियोगाः	(वि.)	कृतः अभियोगः यैः ते – अभि, युज्, घञ्, पुं. प्र. ब. व.] प्रयत्ने रताः; प्रयत्न में लगे हुए, उद्यमशील; engaged in making efforts.
क्वणन्तः	(वि.)	[क्वण्, शतृ, पुं. प्र. ब. व.] रणन्तः, झनझनाते हुए; रुनझुन की ध्वनि करते हुए; producing tinkling sound.
मलदायकाः	(वि.)	[मलस्य दायकाः, ष. तत्पु. पु. प्र. ब. व.] दोषारोपणकर्तारः; दोषारोपण करने वाले; always blaming others.

साधुध्वनिभिः	(सं.)	[साधुभिः ध्वनिभिः, कर्म. तृ. ब. व.] मधुरशब्दैः; मीठी वाणी से; through sweet words.
मणिनूपुराः	(सं.)	[मणिभिः जटिताः नूपुराः, मध्यमपदलोपी तत्पु; प्र. ब. व.] मणिजटितनूपुराः; मणिजटित बिछुए ; पायजेब; jewel studded anklets.
अप्रतिष्ठः	(वि.)	[न प्रतिष्ठा यस्य सः, ब. व्री. प्र. ए. व.] प्रतिष्ठारहितः, यः सुनिश्चितः नास्ति; जो सुनिश्चित नहीं है; one who is not well established.
श्रुतयः	(सं.)	[श्रु, क्तिन्, स्त्री. प्र. ब. व.] शास्त्राणि; वेदसम्बद्धशास्त्र; scriptures related to Vedas.
प्रमाणम्	(सं)	[प्र, मा, ल्युट्, नपुं. प्र. ए. व.] सिद्धम्; सबूत; a thing of proven entity; finally established.
निहितम्	(वि.)	[नि, धा, क्त, नपुं., प्र., ए., व.,] गूढम्, अपिहितम्; छुपा हुआ; hidden.

अष्टमः पाठः

गुरूपदेशः	(सं)	[गुरोः उपदेशः ष. तत्पु., पुं. प्र. ए. व.] आचार्यस्य उपदेशः; गुरु का उपदेश; the advice of a preceptor.
अखिलमलप्रक्षालनक्षमम्	(वि.)	[अखिलानां मलानां प्रक्षालने क्षमम्, तत्पु. नपुं. प्र. ए. व.] सकलदोष-उन्मूलनसमर्थम्; सभी दोषों को शान्त करने में समर्थ ; capable of washing away all the malices.
अजलम्	(वि.)	[न जलम् यस्मिन् (तत् स्नानम्) ब. व्री. नपुं., प्र. ए. व.] जलरहितम् (स्नानम्); बिना जल के (स्नान) ; (bath) without water.
भवादृशाः	(सर्व.)	[भवादृश, पुं., प्र., ब., व.] त्वादृशाः; आप जैसे; people like you.
भाजनानि	(सं)	[भाजन, नपुं, प्र. ब. व.] पात्राणि; पात्र; worthy of being instructed.
उपदेष्टारः	(वि.)	[उप + दिश्, तृच्, पुं, प्र. ब. व.] उपदेशस्य दातारः, उपदेश देने वाले; advisors, preachers.
अहङ्कारमूला	(वि.)	[अहङ्कारः एव मूलं यस्याः सा, ब. व्री. स्त्री., प्र. ए. व.] अभिमानमूला; अहङ्कार से युक्त; full of arrogance.

राजप्रकृतिः	(सं)	[राज्ञाम् प्रकृतिः, ष. त., स्त्री., प्र. ए. व.] राज्ञां स्वभावः; राजाओं का स्वभाव ; nature of the kings.
प्रतिशब्दकः	(सं)	[प्रति शब्द क (स्वार्थे), प्रतिशब्दं करोति इति, पुं, प्र. ए. व.] प्रतिध्वनिः; गूंज की आवाज़; echo.
अभिनवयौवनत्वम्	(सं)	[अभिनवं यौवनम् यस्य सः, ब., व्री., तस्य भावः तस्य तत्त्वम्, अभिनवयौवनत्वं; नपुं., प्र. ए. व.] नवयौवनम्, नई जवानी; fresh youth.
अप्रतिमरूपत्वम्	(सं)	[अप्रतिमम् रूपम् यस्य तत्ः, ब, व्री; तस्य भावः तत्त्वम्, अप्रतिमरूपत्वम् नपुं, प्र., ए. व.] अतुलितसौन्दर्यम्; अनुपम सौन्दर्य; unparalleled beauty.
आलोकयतु	(क्रि.)	[आ, लोकृ, लोट्, प्र., पु., ए., व.] पश्यतु; देखें; examine, observe.
कल्याणाभिलाषी	(वि.)	[कल्याणे अभिलाषा अस्य अस्ति इति, समासगर्भित तद्धित; इन् कल्याणाभिलाषिन्, पुं. प्र., ए., व.] मंगलाकांक्षी, कल्याण की कामना करने वाला, ; desirous of well-being.
अभिजनम्	(सं)	[अभि, जन, पुं, द्वि., ए., व.] कुलीनताम्; ऊंचे वंश में जन्म ; birth in a noble family.
कुलक्रमम्	(सं)	[कुलस्य क्रमम् ष. तत्पु., पुं, द्वि., ए., व.] वंशपरम्पराम्, कुल की परम्परा को; to heredity.
अनुवर्तते	(क्रि.)	[अनुवृत् (आ.) लट्, प्र., पु., ए., व.] अनुसरति; अनुगमन करती है; follows.
अनुबुध्यते	(क्रि.)	[अनुबुध्, (आ.) लट्, प्र., पु., ए., व.] अगमम्यते; समझती है; follows understands.
वैदग्ध्यम्	(सं)	[विदग्ध, ष्यञ्, नपुं, प्र., ए. व.] पाण्डित्यम्; विद्वता को ; scholastic achievements.
उपसर्पति	(क्रि.)	[उप सृप् लट् प्र. पु., ए. व.] समीपं गच्छति; पास जाती है; approaches.
तरङ्गबुद्बुद्वत्	(अव्य.)	[तरङ्गाः च बुद्बुदाः च ताभ्यां तुल्यम्] उर्मिभिः बुद्बुदैः तुल्यम् गतिशीला अस्थिरा च; लहरों और बुलबुलों के समान चंचल; unsteady like the bubbles and waves.
दीपशिखेव	(सं)	[दीपस्य शिखा इव ष. तत्पु., स्त्री., प्र., ए. व.] दीपकस्य ज्योतिः इव; दीपक की ज्योति (लौ) की तरह; like the flame of the lamp.

कज्जलमलिनम्	(वि.)	[कज्जलम् इव मलिनम् कर्मधा., नपुं, द्वि., ए. व.] कज्जलवत् मलिनम्; काजल के समान काले, दूषित; black like collyrium.
उद्वमति	(क्रि.)	[उत् वम् लट्, प्र. पु. ए. व.] उद्गिरति; उगलती है ; vomits.
महामोहकारिणी	(वि.)	[महान् चासौ मोहः (कर्मधा.) तं कर्तुं शीलं यस्याः सा. महामोह कारिणी] अज्ञानान्धकारिणी विवेकशून्य और अन्धा बनाने वाली (जवानी); unfatuating.
प्रयतेथाः	(क्रि.)	[प्र यत् आ. वि लिङ् म. पु. ए. व.] प्रयत्नं कुरु; प्रयत्न करो; try.
उपालभ्यसे	(क्रि.)	[उप आ लभ् कर्मवा., लट्; म. पु. ए. व.] तुभ्यम् उपालभ्भः दीयते; तुम्हें उलाहना दिया जाता है; you are blamed.
कामम्	(सं)	सत्यम्; सच है; true.
प्रकृत्यैव	(सं)	[प्रकृत्या + एव, प्रकृति, स्त्री. तृ. ए. व.] स्वभावेन; स्वभाव से ही; by nature.
समारोपितसंस्कारः	(वि.)	[समारोपिताः संस्काराः यस्मिन् सः; (ब. व्री); पुं. प्र. ए. व.] संस्थापितसंस्कारः; उत्तम संस्कारों से परिष्कृत; adorned with good manners.
मुखरीकृतवान्	(क्रि.)	[मुखर च्वि कृ क्तवतु, पुं प्र. ए. व.]प्रेरितवान्; तुम्हारे गुणों ने ही प्रेरित किया है;
नवयौवराज्याभिषेकमङ्गलम्	(सं)	[युवा चासौ राजा युवराजः (कर्मधा); तस्य भावः यौवराज्यम्; नवं च तद् यौवराज्यम्; (कर्मधा.) तस्य तस्मिन् वा(त.) तद्रूपमङ्गलम्(कर्मधा.)] नूतनयुवराजपदे अभिषेकस्य कल्याणम्; नूतन युवराज पद पर अभिषेक के मङ्गल को; pleasures of auspicious coronation as a new prince.